पाठ 20 - उनको प्रणाम

कवि - नागार्जुन

पूर्ण काम - सफल, वह व्यक्ति जो लक्ष्य प्राप्त कर लें

कुंठित - भोथरा, जिसमें धार न हो

लक्ष्यभ्रष्ट - निशाने से चुका हुआ

अभिमंत्रित - मंत्र द्वारा पवित्र किया हुआ

रण -युद्ध

रिक्त - खाली

तूणीर - तरकस (जिसमें तीर रखे जाते हैं)

नैय्या - नाव

उदधि - समुद्र

निराकार - जिसका आकार न हो

समाधि - किसी दिवंगत महापुरुष की स्मृति में निर्मित स्मारक या जहाँ पार्थिव शरीर या अस्थियाँ रखी गई हों

कृतकृत्य - काम पूरा होने से मिलने वाली सार्थकता

प्रत्युत - बल्कि, इसके विपरीत, वरन

दृढ़- अटल, विचलित न होने वाला

व्रत - संकल्प, प्रतिज्ञा

दुदर्म - जिसे दबाना यावश में करना कठिन हो, प्रबल

मूर्तिमंत - साकार, साक्षात

निरवधि - जिसकी कोई निश्चित समय-सीमा न हो

धुन - लगन, किसी कार्य में बराबर लगे रहने की प्रवृत्ति

अतुलनीय - जिसकी तुलना न की जा सके

प्रतिकूल - विपरीत

मनोरथ - मन की कामना, अभिलाषा